Kailash Landscape Conservation and Development Initiative

कीड़ा जड़ी का जीवन चक्र

ICIMOD

FOR MOUNTAINS AND PEOPLE

कीडा जड़ी पर प्रभाव – अत्याधिक कलेक्टर, नष्ट ना होने वाला कचरा और अलग अलग टुकड़ों में खुदाई

कचरे प्रबंधन की कमी के कारण शिविर स्थल का प्रदूषित होना और कीड़ा जड़ी की खोज में अलग अलग टुकड़ों में खुदाई करने से कीड़ा जड़ी के प्राकृतिक वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ता है । इससे कीड़ा जड़ी की उपलब्धता में गिरावट आ सकती है ।

एक स्थल में बड़ी संख्या में लोग जब कीड़ा जड़ी इक्ठा करने जाते हैं तो खुदाई और ऊपरी मिट्टी को कुचलने से कीड़ा जड़ी के प्राकृतिक वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ता है । यह कीड़ा जड़ी की उपलब्धता में गिरावट का कारण हो सकता है ।

Adapted from Shrestha, U. (2015) *Workshop on Sustainable Management of Yarshagumbu.*

- लार्वा चरण के वक्त मेजबान कीट के लार्वा अधिकांश समय जमीन के नीचे रहते हैं ।
- कवक द्वारा संक्रमित लार्वा आम तौर पे सर्दियों में मर जाता हैं । आने वाले साल की वसंत या गर्मियों में कुकुरमुत्ता का अंश बाहर आता हैं ।

ईंधन की लकड़ी का अरक्षणीय संग्रह और कीड़ा जड़ी पर उसके प्रभाव

ईंधन की लकड़ी तथा शिविर स्थलों के निर्माण के लिए पेडों की कटाई की जाती है जिसके कारण पतंगों की आबादी में अत्यधिक कमी की संभावना है । इससे कीड़ा जड़ी की उपलब्धता पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है ।

All photos by Jitendra Raj Bajracharya

International Centre for Integrated Mountain Development, GPO Box 3226, Kathmandu, Nepal, **Tel** +977 1 5003222, **Email** info@icimod.org

www.icimod.org